

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 269

03 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हृदय रोगों के कारण मृत्यु

269. सुश्री दिया कुमारी:
श्री रवि किशन:
डॉ. निशिकांत दुबे:
श्री मनोज तिवारी:
श्री रविन्दर कुशवाहा:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान राजस्थान सहित हृदय रोगों के कारण होने वाली मृत्यु और हृदय रोग के कारण होने वाली मृत्यु में वृद्धि के प्रतिशत का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) राजस्थान में पुरुषों और महिलाओं की हृदय रोग के कारण होने वाली मृत्यु में वृद्धि का अलग-अलग प्रतिशत क्या है;
- (ग) सरकार द्वारा देश में हृदय रोग के कारण होने वाली मृत्यु की संख्या की रोकथाम और कमी लाने हेतु क्या उपाय किए गए हैं;
- (घ) ऐसे उपायों को किस तरह से कार्यान्वित किया गया है और तत्संबंधी मृत्यु में प्रतिशत में कमी के सन्दर्भ में इनसे किस हद तक सफलता मिली है;
- (ङ) सरकार द्वारा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और हृदय रोगों के मामलों का शीघ्र पता लगाने और इनमें कमी लाने हेतु क्या उपाय किए गए हैं; और
- (च) क्या सरकार ने विशेषकर हृदय रोगों से निपटने के लिए कोई योजना कार्यान्वित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) और (ख): भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वर्ष 2018 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यह देखा गया कि भारत में हुई कुल मृत्यु में हृदयवाहिका संबंधी रोगों के चलते हुई मृत्यु कुल वर्ष 1990 में 15.2% की तुलना में वर्ष 2016 में 28.1% मृत्यु थी।

(ग) से (च): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राष्ट्रीय हृदयवाहिका संबंधी रोग, मधुमेह, हृदय रोग और आघातों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है जो कि राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों पर आधारित और संसाधन सीमा के अध्ययधीन होती है। हृदयवाहिका संबंधी रोग एनपीसीडीसीएस का अभिन्न अंग है। यह कार्यक्रम हृदयवाहिका संबंधी रोग सहित गैर संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए आधारभूत ढांचे के सुदृढीकरण, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता सृजन, शीघ्र निदान, प्रबंधन तथा इनके इलाज के लिए उपयुक्त स्तर की स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्र में रेफरल पर ध्यान केन्द्रित करता है। एनपीसीडीसीएस के तहत 707 जिला एनसीडी क्लीनिक, 193 जिला हृदय रोग परिचर्या इकाई और 5541 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में भी सामान्य गैर-संचारी रोग (एनसीडी) अर्थात् मधुमेह, रक्तचाप और सामान्य कैंसरों की रोकथाम, नियंत्रण एवं जांच के लिए देश में जनसंख्या आधारित एक पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य एनसीडी के लिए जांच लक्षित की गई है। इन सामान्य एनसीडी की जांच आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और आरोग्य केन्द्रों के तहत सेवा प्रदानगी का अभिन्न अंग है।

हृदयवाहिका संबंधी रोगों के निवारक पहलुओं को सामुदायिक स्तर पर आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केन्द्र योजना के माध्यम से आरोग्य क्रियाकलापों और लक्षित संप्रेषण को बढ़ावा देकर व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत सुदृढ किया जाता है। हृदयवाहिका संबंधी रोग के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) के माध्यम से स्वस्थ खानपान को भी बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्य और खेलकूद मंत्रालय ने फिट इंडिया मूवमेंट का भी क्रियान्वयन किया है तथा आयुष मंत्रालय द्वारा विभिन्न योग से संबंधित क्रियाकलापों को चलाया जाता है। इसके अतिरिक्त, एनपीसीडीसीएस, एनएचएम के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी कार्यक्रम क्रियान्वयन योजना (पीआईपी) के अनुसार हृदयवाहिका संबंधी रोग के लिए जागरूकता सृजन (आईईसी) क्रियाकलापों को शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता देता है।

आज की तारीख तक 1,56,338 स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्र प्रचालनरत किए जा चुके हैं जिनमें 1,25,608 उप-स्वास्थ्य केंद्र स्तर के एबी-एचडब्ल्यूसी, 23,512 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर के एबी-एचडब्ल्यूसी और 7,218 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर के एबी-एचडब्ल्यूसी शामिल हैं। (स्रोत- एबी-एचडब्ल्यूसी पोर्टल, 30 जनवरी, 2023 की स्थिति के अनुसार)
